इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, रविवार, 12 मार्च 2023

हज़ार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।
- गौतम बुद्ध

वर्ष 15 अंक 186 मूल्य 3-00 रुपया पृष्ठ- 12+4

तापमान - अधिकतम 32.0°C (+1.5) न्यूनतम 17.5°C(+3.7) सेंसेक्स 59,135.13 (-671.15) निफ्टी 17,412.90 (-176.60) सोना 57,040 चांदी 65,700 मुद्रा - डालर 82.05 दिरहम 22.34 रियाल 21.88

बिना कट व निशान के बंद किया बच्चे के दिल का छेद

एराज़ लखनऊ मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल में हुई जटिल सर्जरी

लखनऊ (सं)। एराज़ लखनऊ मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय के चिकित्सकों ने बच्चे के दिल के छेद को एक नयी तकनीक से बंद करने में सफलता पायी। विशेषज्ञों की टीम ने जिस तकनीक का इस्तेमाल किया उसमें बच्चे के दिल का छेद बिना किसी कट या शरीर पर निशान के बंद हो गया।

छह महीने का बच्चा जिसका वजन नहीं बढ़ रहा था और बार-बार उसे निमोनिया हो रहा था। मरीज गत वर्ष अक्टूबर में एरा अस्पताल आया और जांच में पता चला कि उसके दिल में छेद है। इसे 'पेटेंट डक्टस आर्टेरियोसस' कहा जाता है। एरा अस्पताल के बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिरीष भटनागर ने कहा कि इस बीमारी से पीड़ित बच्चे ठीक से दूध नहीं पी पाते। उनका वज़न नहीं बढ़ता और बार-बार निमोनिया होता है। इस छेद को बंद करना ज़रूरी था ताकि यह बच्चा सामान्य जीवन जी सके। चिकित्सकों ने इस छेद को एक डिवाइस (जिसे बटन भी कहा जाता है) से बंद करने का फैसला किया। एरा के पीडियाटिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अभिनव अग्रवाल ने बताया कि इस तकनीक में डिवाइस को बिना किसी कट या निशान के बच्चे के शरीर के अंदर रखा जाता है। इससे तेजी से रिकवरी होती है और इस प्रक्रिया में मरीज को अगले दिन छुट्टी दी जा सकती है। बच्चे को एक मार्च को डॉ. छवि नंदा और डॉ. सुमैया शम्सी की देखरेख में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगले दिन 2 मार्च को उसका ऑपरेशन किया गया। डॉ. अभिनव अग्रवाल, डॉ. विजय, डॉ. इरशाद वानी, डॉ. बशीर अहमद, डॉ. के.पी. इस जटिल प्रक्रिया को पूरा करने में डॉ. मल्ल, डॉ. खालिद इकबाल और कार्डियोलॉजी कैथ लैब टीम में शामिल थे। प्रक्रिया के अगले दिन बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

उन्होंने बताया कि एराज़ लखनऊ मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय में इस ऑपरेशन की लागत अन्य अस्पतालों की तुलना में बहुत कम है। एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय में आने से पहले मरीज ने कई अस्पतालों से परामर्श किया था। बच्चे के पिता ने बताया कि कम लागत और चिकित्सकों की पेशेवर प्रकृति के कारण उन्होंने एरा में अपने बच्चे का ऑपरेशन कराया। डॉ. इरशाद वानी और डॉ. अभिनव अग्रवाल ने कहा कि उनके पास कई और बाल चिकित्सा कार्डियक प्रोसीजर की योजना है। इनमें से कई आयुष्मान भारत योजना के तहत होंगी। हम गैर-सरकारी संगठनों के साथ भी सहयोग की व्यवस्था कर रहे हैं जो हृदय शल्य चिकित्सा की आवश्यकता वाले बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। इससे ईएलएमसीएच में आने वाले मरीजों को मदद मिलेगी